अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक की कार्यवृत्त

रविवार, 21 अप्रैल 2024, समय : 11 बजे

4 बी, डकबैक हाउस, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र 2023-2025 की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक रविवार, 21 अप्रैल 2024 को सम्मेलन केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में निम्नलिखित कार्यकारिणी सदस्यों, विशेष आमंत्रि तों की उपस्थिति रही:

श्री शिव कुमार लोहिया	श्री नंदलाल रूंगटा	श्री संतोष सराफ	श्री राजकुमार केडिया
श्री दिनेश जैन	श्री कैलाशपति तोदी	श्री संजय गोयनका	श्री महेश जालान
श्री केदार नाथ गुप्ता	श्री आत्माराम सोंथलिया	श्री दामोदर विदावतका	श्री कैलाश चंद काबरा
श्री नंदकिशोर अग्रवाल	श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल	श्री विनोद तोदी	श्री कमल कुमार नोपानी
श्री निर्मल कुमार काबरा	श्री नन्दलाल सिघानिया	श्री सुरेश कमानी	श्री सुभाष केडिया
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान	श्री शिव रतन फोगला	श्री प्रदीप जीवराजका	श्री रघुनाथ झुनझुनवाला
श्री पवन बंसल	श्री बिश्वनाथ भुवालका	श्री संतोष खेतान	श्री गिरधारी लाल सराफ

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

श्री गोवर्धन गाडोदिया	श्री मधुसूदन सीकरिया	श्री निर्मल झुनझुनवाला	श्री रंजीत जालान
श्री पवन जालान	श्री संजय हरलालका	श्री बसंत कुमार मित्तल	श्री विजय कुमार गोयल
श्री राजकुमार मिश्रा	श्रीमती सुषमा अग्रवाल	श्री दीपक पारीक	श्री अरुण कुमार सुरेका

कार्यसूची 1. अध्यक्षीय संबोधन :

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी देते हुए बताया कि फरवरी में पूर्वोत्तर का 6 दिवसीय दौरे के दरम्यान 9 सभाएँ की और 3 शाखाओं का भ्रमण किया, नार्थ लखीमपुर के सम्मेलन सदस्यों के वक्तव्यों को साझा करते हुए कहा कि 40 वर्षों बाद नार्थ लखीमपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से लोगों के उत्साह और क्षोभ की अनुभूति किया। आगे, उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ उत्तराखंड दौरे का विवरण दिया। श्री लोहिया ने उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि 'राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान','राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान' एवं 'राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान' के लिए आप हमें नाम भेजें। श्री लोहिया ने उपस्थित सदस्यों को अपने प्रांतीय दौरों की विस्तार से जानकारी दी व वहां के सांग ठनिक विकास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि राज्यों में नई

शाखाएँ खोलने का प्रयास निरंतर जारी है। मध्य प्रदेश के इंदौर में आवश्यक नए सदस्य बन चुके हैं। सहडौल, बुढार, उमरिया में शाखा खोलने के लिए श्री शरद सरावगी प्रयासरत हैं। अपने 10 प्रांतों के दौरे के लक्ष्य के बारे में बताते हुए कहा कि मैं इसे इस वर्ष पूरा कर लेने के लिए प्रयास रत हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि इस विषय में प्रांतों का सहयोग प्राप्त होगा । अखिल भारतीय समिति की अगली बैठक सूरत में आयोजित होने की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी। उपस्थित सदस्यों से निवेदन किया कि सम्मेलन के सोशल मीडिया के फेसबुक और इन्स्टाग्राम पेज का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार कर लोगों से लाइक एवं फॉलो करवाएं।

कार्यसूची 2. गत बैठक का कार्यवृत्त पारित किया गया :

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (24 दिसंबर 2023) कोलकाता का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कार्यसूची 3. विगत कार्यकलापों पर महामंत्री की संक्षिप्त रपट :

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत किया। आगे, उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में इस वर्ष तक 5 नई शाखाएँ खोलेंगे। महाराष्ट्र में भी हम सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रहे हैं, वहाँ के नेतृत्व को हमने 10 विशिष्ट संरक्षक सदस्य और 500 आजीवन सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने 2023 -2024 का आय-व्यय का ब्यौरा सभा पटल पर रखते हुए बताया कि सम्मेलन का अभी 6.26 करोड़ का फिक्स्ड डिपाजिट है जो 2023-24 में 29 लाख बढ़ा है, अब तक कुल 45 लाख फण्ड बढ़ा है। श्री रूंगटा ने सुझाव दिया कि आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पूर्व के तीन महीने की अनऑडिटेड स्टेटमेंट उपस्थित लोगों के बीच में वितरित करवाने की व्यवस्था करें ।

कार्यसूची 4. संगठन विस्तार तथा प्रांतों की सक्रियता पर प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की संक्षिप्त रपट :

संगठन-विस्तार तथा प्रांतों की सक्रियता पर प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया ने अपना रपट प्रस्तुत करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में नई शाखाएँ खुली है। मध्य प्रदेश के इंदौर, सहडौल और पिपरिया में बहुत जल्द नई शाखाएँ खुल जाएँगी। झारखंड के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि झारखंड में 23 जिला शाखाएँ, 90-95 शाखाएँ सम्मेलन के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। झारखंड में कुल 4610 सदस्य हैं। 2023-24 में कुल 1020 नए आजीवन सदस्य और एक विशेष संरक्षक सदस्य बने हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने अपना संक्षिप्त रपट प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया द्वारा भेजे गए रपट को पूर्वोत्तर के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल ने प्रस्तुत किया, जिसमें श्री मधुसूदन सीकरिया ने लिखा कि पूर्वोत्तर प्रांत की तरफ से यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रादेशिक इकाई के साथ ही प्रांत की समस्त शाखाओं की कार्यकारिणी समिति का चुनाव भी प्रत्येक दो वर्षों में एक साथ करवाया जाए। प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जा रहीं हैं। सिक्किम प्रांत का गठन गत अगस्त माह में हुआ था। तत्पश्चात वहां प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रादेशिक इकाई की तरफ से पीड़ितों को सहायता पहुंचाई गई थी , परंतु संगठन विस्तार के कार्य में बाधा आई। पटना में संपन्न हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सिक्किम प्रांत के प्रादेशिक अध्यक्ष के साथ ही अन्य प्रतिनिधि ने अंश ग्रहण किया था। हाल ही में प्रादेशिक अध्यक्ष श्री रमेश पेडीवाल जी से वार्ता के पश्चात यह सुनिश्चित किया गया है कि आगामी जून माह में राष्ट्रीय पदाधिकारियों से सिक्किम प्रांत के दौरे का आग्रह किया जाएगा। यथासंभव शीघ्र ही तारीख की औपचारिक घोषणा भी

की जाएगी। सिक्किम प्रांत को सक्रियता प्रदान करने में उक्त दौरा अत्यधिक सहायक सिद्ध होगा। गुजरात प्रांत में सूरत जिला इकाई के गठन के पश्चात कुछ सक्रियता अवश्य देखी गई है, परंतु शाखा विस्तार की दृष्टि से अभी यह प्रांत अपेक्षा के अनुरूप कार्य नहीं कर पाया है। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गोकुल बजाज जी से लगातार वार्ता हो रही है। गत फरवरी में मेरे सूरत आगमन पर वहां एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें यह तय किया गया कि आगामी दिनों में सूरत में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय से चर्चा करने के पश्चात आगामी 25 अगस्त को सूरत में अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। आशा है उक्त बैठक के आयोजन से गुजरात प्रांत में और अधिक सक्रियता आएगी। गत 7 सितंबर को गठित सूरत जिला इकाई ने अपनी स्थापना के कुछ महीनों में ही पर्यावरण सहित अन्य कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया है तथा इस दरम्यान शा खा ने कुल 40 आजीवन सदस्य बनाए हैं। तथा श्री रंजीत जालान की रपट को राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने प्रस्तुत किया , जिसमें श्री जालान जी लिखते हैं कि दिल्ली में एक महिला शाखा का गठन हुआ है। वैसे भी दिल्ली प्रदेश, सजक प्रदेश है और वहाँ पर समय-समय पर कार्यक्रम होते रहते हैं। दिल्ली प्रदेश ने दो-तीन शाखा खोलने का आश्वासन दिया है। निकट भविष्य में दो शाखाएँ खुल जाएगी। उत्तराखंड की टीम काफी सजग एवं प्रयत्नशील है अभी तक इन्होंने चार शाखाओं का गठन कर लिया है , जिसमें रुड़की, सेलाकुई, गाड़ी डकरा, ऋषिकेश शाखा है। उताराखंड में समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं जैसे होली मिलन, दीपावली मिलन, 15 अगस्त, 26 जनवरी को झंडोत्तोलन, ब्लड डोनेशन कैंप, आई चेक-अप कैंप, ऑपरेशन कैंप, सावन में कांवरियों के लिए भंडारा, दादी जी का उत्सव तथा अन्य कार्यक्रम भी समयानुसार आयोजित किए जाते हैं। अभी 17 मार्च को अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजन करने का सौभाग्य केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा दिया गया था। उसका आतिथ्य भी हमने अपने सीमित साधनों से करने का प्रयास किया और आगे भी केंद्रीय नेतृत्व से जो कार्यक्रम करने का निर्देश मिलेगा हम उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान ने संगठन से संबंधित रपट प्रस्तुत की एवं सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक 'सिग्नेचर परियोजना' संचालित करने की अपील की।

कार्यसूची 5. प्रांतीय अध्यक्षों / महामंत्रियों द्वारा प्रांतीय सम्मेलनों की संक्षिप्त रपट :

उपस्थित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा ने कहा कि अभी पूर्वोत्तर में 68 शाखाएँ कार्यरत हैं। 4 नई शाखाएँ जल्द खुल जाएँगी। 80 शाखाओं का लक्ष्य लेकर हम चल रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि विशिष्ट संरक्षक सदस्यों की सदस्यता शुल्क में प्रांतों को भी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों से 15 सदस्यों में शाखा खोलने की अनुमति देने का निवेदन किया। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल ने प्रांत स्तर पर हो रहे कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि आलोचना और समालोचना दोनों संगठन को मजबूत करती है। हममें शाखाओं के प्रति स्नेह, लगाव, प्रेम नहीं है, इस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है । हममें समन्वय की कमी है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों को प्रांतों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है । उन्होंने आगे बताया कि हमने निर्णय लिया है कि हम होली, दीपावली और छात्रों के सम्मान का कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष करेंगे।

कार्यसूची 6. राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा एवं दिशा-निर्देश:

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों पर उपस्थित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों में विस्तृत चर्चा हुई एवं उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व को और अधिक समाजसेवा मूलक कार्य करना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सूचित किया कि सभी प्रांतीय अध्यक्षों एवं महामंत्रियों को आवश्यक कार्यक्रम का सुझाव पत्र

दिनांक 23 जून 2023 को प्रेषित किया गया था। उसकी प्रतिलिपि राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को भी प्रांतों से समन्वय करके उन कार्यक्रमों को प्रांतों में कार्यान्वित करवाने के लिए अनुरोध किया गया था। इस विषय में प्रांतों को सजग होकर भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित करते रहना चाहिए। उन्होंने सूचित किया कि पिछले 11 महीनों में केंद्रीय कार्यालय से अनेक अनुरोध पत्र प्रांतों एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को भेजे गए हैं। खेद हैं कि आवश्यक प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है।

कार्यसूची 7. प्रांतों के लंबित चुनाव पर चर्चा :

राष्ट्रीय महामंत्री ने प्रांतों के लंबित चुनाव के बारे में सभा को जानकारी देते हुए कहा कि गुजरात में चुनाव की तैयारी चल रही है। महाराष्ट्र में बहुत जल्द चुनाव करवा लिया जाएगा। बैठक के दौरान ही राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान ने गुजरात प्रांत के श्री गोकुल चंद बजाज के पुनः प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने की सूचना दी। श्री रूंगटा ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि तेलंगाना में विशेष रूप से राष्ट्रीय टीम को कार्य करने की आवश्यकता है। वहाँ पर प्रयास कर किसी सक्षम नेतृत्व के हाथ में सम्मेलन का कमान दिया जाए।

कार्यसूची 8. सम्मेलन भवन निर्माण की वर्तमान स्थिति पर आवश्यक चर्चा :

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन श्री संतोष सराफ ने उपस्थित सदस्यों को भवन निर्माण से जुडी सभी गतिविधियों से अवगत करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने भवन निर्माण उपसमिति की बैठक में हुई चर्चा के मद्देनजर राजा राममोहन राय स्थित सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु पहल का स्वागत किया। 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' के सहयोग के प्रस्ताव का सम्मेलन द्वारा स्वागत किया एवं उनके प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही श्री लोहिया ने भवन के निर्माण हेतु सम्मेलन की निधि से 50 लाख रुपए तक की धनराशि खर्च करने के अधिकार हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्ताव रखा , जिसको सर्व सम्मति से पारित किया गया।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि तत्कालीन भवन निर्माण उपसमिति तब तक बनी रहनी चाहिए जब तक कि सम्मेलन भवन निर्माण का कार्य संपन्न नहीं हो जाता है ।

कार्यसूची 9. भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श :

भावी कार्यक्रमों पर विचार करते हुए यह निर्णय हुआ कि (1) घर में हम परिवार जन से राजस्थानी भाषा में बात करें और अन्य सदस्यों को भी राजस्थानी में बात करने के लिए प्रेरित करें। (2) समाज में समरसता हो। 'आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज' का संदेश प्रांतों और शाखाओं तक पहुँचाने का अनुरोध उपस्थित सदस्यों से किया गया । (3) समाज की अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों का अपने कार्यक्रमों में बुलाकर उनका सम्मान कर उन्हें सम्मेलन से जोड़ने का प्रयास करने पर विचार हुआ। (4) राष्ट्रीय स्तर पर एक 'सिग्नेचर परियोजना' संचालित करने पर विचार हुए प्रोजेक्ट के लिए प्रांतों से सुझाव भेजने की अपील करना। (5) अधिवेशन में पास समाज-सुधार के प्रस्तावों का प्रचार-प्रसार कर उसे लागू करवाने की कार्रवाई करना। (6) संस्कार-संस्कृति के बढ़ावा के लिए किस तरह के कार्यक्रमों को करवाया जाए उसके लिए लोगों से सुझाव मँगवाना। (7) प्रांतों को पिछले 11 महीनों में लिखे गए पत्रों का जवाब नहीं मिलने पर प्रांतों से उ न पर कार्रवाई करने की अपील। (8) शाखा के सहयोग के लिए अभी तक प्रांतों से राष्ट्रीय कार्यालय को कोई भी प्रस्ताव नहीं मिला है, इस पर प्रांतों से विचार कर प्रस्ताव भेजने की अपील । (9) प्रत्येक प्रांतों में मारवाड़ियों द्वारा किए गए कार्यों के इतिहास पर कार्य करवाना।

कार्यसूची 10. पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का मार्गदर्शन :

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दलाल रूंगटा ने तत्कालीन सत्र के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जो जितना अच्छा काम करता है उससे हमारी अपेक्षाएं उतनी अधिक बढ़ जाती हैं। उन्होंने अपना सुझाव देते हुए कहा कि समाज के सभी वर्ग के

लोगों का सहयोग सम्मेलन की मूल भावना थी, उस पर हमें और काम करने की जरूरत है। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों से अनुरोध किया कि वें अपने प्रभार के प्रांतों से संपर्क में रहें और ज्यादा से ज्यादा प्रांतों का दौरा करें । आगे उन्होंने कहा कि देश के सक्रिय प्रांत यथा उत्कल, झारखंड, बिहार, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग के प्रांतीय पदाधिकारी अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठकों में अवश्य भाग लें, ऐसी व्यवस्था बनाने पर विचार करने की आवश्यकता है । राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार में सहायक पुस्तिका 'सहज राजस्थानी व्याकरण' को अद्यतन (मुहावरा, सरनेम जैसे और जो भी सुधार हो सके) करवाने की आवश्यकता है, जिसे हमें अतिशीघ्र करवाना चाहिए; एस.आर. रूंगटा ग्रुप इसमें आए खर्चों में सहयोग करेगा। श्री रूंगटा ने आगे जानना चाहा कि सम्मेलन के तीनों संगठनों के तत्कालीन एवं पूर्व पदाधिकारियों को लेकर बैठक के आयोजन की क्या स्थिति बनी है। राष्ट्रीय महामंत्री ने इस पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया । अंत में उन्होंने सबके प्रति आभार ज्ञापित किया कि सम्मेलन ने मेरे पिता जी के नाम से सम्मेलन भवन का नाम रखने की सहमति प्रदान की।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने वर्तमान सत्र की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज में संबंध-विच्छेद के मामले तेजी से बढे हैं, हमें विधुर, विधवा एवं पृथक रह रहे लोगों के पुनःस्थापना के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एक उपसमिति बनाकर ऐसे लोगों का बायोडाटा संग्रहित कर उसका प्रचार -प्रसार कर, इसमें सहयोग का काम हम कर सकते हैं। हमें सम्मेलन व प्रांतों की योजनाओं के अत्यधिक प्रचार -प्रसार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संस्कार-संस्कृति चेतना के माध्यम से हम सांस्कृतिक गिरावट को रोक सकते हैं, इस ओर और अधिक काम करने की जरूरत है।

कार्यसूची 11. विविध–अध्यक्ष की अनुमति से :

अध्यक्ष की अनुमति से विविध विषय पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि हमें दो निवेदन मिले हैं, जिसमें पहला जयपुर एअरपोर्ट का अभी नामकरण नहीं हुआ है । सम्मेलन की ओर से हम जयपुर एअरपोर्ट का नाम श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार जी के नाम से करने का प्रस्ताव संबंधित केंद्रीय संस्थानों को भेजें, जिस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से इस पर कार्रवाई करने का कदम उठाने को कहा। दूसरा चाँदी के सिक्के में राजा-रानी के चित्र की जगह पर रामलला, श्री कृष्ण, लक्ष्मी-गणेश, महाराजा राणा प्रताप जैसे महापुरुषों के चित्र अंकित करने के लिए हमें पैन इंडिया स्तर पर ऐसे कार्यों में लगी व्यावसायिक संस्थानों से अपील कर उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी ।

बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने कहा कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में इधर कुछ शिथिलता आई है। हम सबको मिलकर इसे ठीक करने का प्रयास करने की जरूरत है। हमें सामाजिक योजनाएँ सही ढंग से बनाकर उसका वृहद प्रचार-प्रसार करना चाहिए, जिससे जरूरतमंद समाज-जन उसका लाभ ले पाएँ।

बिहार के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कमल कुमार नोपानी ने कहा कि बिहार में 160 शाखाएँ हैं, उनकी निगरानी की आवश्यकता है। जहाँ समाज के लोगों के 5-7 घर हैं, वहाँ संपर्क स्थापित करके उन्हें जागरूक करना चाहिए। शाखाओं द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय पदाधिकारियों को जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिलता है । कोई भी शाखा कार्यक्रम करें तो प्रांत और राष्ट्र के तत्कालीन एवं पूर्व के पदाधिकारियों को पूर्ण सम्मान मिलना ही चाहिए । इसमें राष्ट्र की कमजोरी दिखती है, इस पर विचार कर राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रांतीय पदाधिकारियों से चर्चा करके जून के बाद बिहार में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के दौरे के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर भेजने की बात कही।

झारखंड के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा ने कहा कि हमारा संगठन दिन-प्रतिदिन काफी मजबूत होता जा रहा है। संगठन की मजबूती के साथ आपसी मतभेद भी बढ़ रहा है। मेरा मानना है कि यदि राष्ट्रीय पदाधिकारी समय -समय

पर प्रांत का दौरा करते रहे तो उपजे मतभेदों को दूर किया जा सकता है। समाज के कमजोर लोगों के उत्थान करने के उद्देश्य को लेकर हमें कार्य करने की जरूरत है और हमें उनका सहयोग करना चाहिए।

पूर्वोत्तर के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि मारवाड़ी समाज राजनीति में कैसे आगे बढे इस पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श कर बृहद स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। राजनीति में हमारी पकड़ कैसे बढ़े और कैसे हम राजनीतिक रूप से मजबूत हो इस ओर गंभीरता से कदम उठाएँ। दक्षिण भारत में संगठन की मजबूती के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व को लगातार दौरा कर संगठन को मजबूत करना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन के एक सिग्नेचर कैंपेन के लिए प्रांतों से सुझाव मँगवाकर एक राष्ट्रीय स्तर के सिग्नेचर कैंपेन की शुरुआत करनी चाहिए, जिससे सम्मेलन की अपनी एक अलग पहचान बने।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान कटक शाखाध्यक्ष सुरेश कमानी ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम शाखाएँ तो बना लेते हैं, पर उसका अवलोकन ठीक ढंग से नहीं कर पाते हैं । प्रांत में जोन बनाकर उसका पदाधिकारी नियुक्त कर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है, जिससे शाखाओं का ठीक ढंग से अवलोकन कर संगठन के मजबूती को और सुदृढ़ कर सकते हैं।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा को सम्मेलन भवन निर्माण खर्च में पूर्ण सहयो ग हेतु कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शिव कुमार लोहिया	कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री